भाकृअनुप – केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान
श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)
ICAR-CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE
Sri Ganganagar Highway, Beechwal-BIKANER-334 006
E-mail- *ciah@nic.in, www.ciah.icar.gov.in.* Phone-0151-2250960 : Fax-2250145

विश्व मृदा दिवस का आयोजन

दिनांक 05.12.2025

आज दिनांक 05.12.2025 भा.कृ.अनु.प.–केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, ने केजीएस-एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में बीकानेर जिले के कोलायत ब्लॉक के दियातरा गाँव में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में करीब 70-80 किसानों, महिलाओं बच्चों, पंचायत पदाधिकारियों तथा वैज्ञानिकों नें भाग लिया। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य के प्रबंधन एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. धुरेन्द्र सिंह ने स्वस्थ मिट्टी में स्वस्थ बागवानी उत्पादन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि यदि मिट्टी स्वस्थ है तो वह बागवानी फसलों का उच्च उत्पादन के साथ साथ उच्च गुणवत्ता वाले फल और सब्जी का उत्पादन किया जा सकता है जो कि आज की महति आवश्यकता है। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ शिव राम मीना ने "स्वस्थ शहर के लिए स्वस्थ मृदा" के विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुये इसके महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होने संस्थान की उन्नत तकनीकियों के बारे में चर्चा करते हुये उन्होने इन्हे अपनाने की सलाह दी और कहा कि मिट्टी के स्वास्थ्य एवं पोषक तत्वों का प्रबंधन करके ही उच्च गुणवत्ता वाले फलों को प्राप्त कर आज के बाजार में उनसे अच्छा धन-लाभ कमाया जा सकता है। उन्होने कहा कि अंतराष्ट्रीय बाजार में वही कृषि उत्पादों से लाभ लिया जा सकता है जो कि मानक स्तर पर खरे होते है जो स्वस्थ एवं उच्च कोटि की मिट्टी से ही संभव है। संस्थान के वैज्ञानिक श्री रूप चंद बलाई ने कहा कि मिट्टी को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि किसान समय समय पर उसकी जाँच कराएं। उन्होने मिट्टी के नमूने लेने व उसकी जाँच कराने की विभिन्न पहलूओं पर किसानों को अवगत कराया। उन्होने कहा कि स्वस्थ मिट्टी के लिए सभी पोषक तत्वों को संतुलित रूप से देना बेहद जरूरी है। साथ ही संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. मनप्रीत कौर ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी पर बागवानी एवं अन्य फसलों को उगाकर अधिक आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होने कहा कि किसान कृषि आदानों का सही मात्रा में उपयोग करके कम लागत में अधिक स्वास्थ उत्पादन एवं लाभ ले सकते है। उन्होने यह भी कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा संसतूत मात्रा में ही जैविक खाद, उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करना चाहिए जिससे मिती स्वस्थ रहे।